



SHRI AREEZ KHAMBATTA (POSTHUMOUS)

Shri Areez Khambatta was the Founder Chairman of the Rasna Group, who created the world's first soft drink concentrate in dual format, which went on to becoming a household name among consumers and one of the greatest marketing success stories in the country.

2. Born on 22nd September, 1937, Shri Khambatta graduated with Chemistry in 1959 from Gujarat College, Ahmedabad. His entrepreneurial venture, Rasna, was born in 1978 and after experimenting extensively with Indian flavors, was almost immediately a success. The company operated from an industrially backward area to cater to the vast demand in the sweltering Indian summer. Thereafter, it launched international product varieties with new additions that were instantly successful as exports. He also did a Food Flavor Creation course from University of Minnesota and went on to becoming a professional member of The Institute of Food Technologists, USA and one of India's best flavourists. It is due to his vision that Rasna remained an Indian-owned company, discussed in case studies, whose price band has not increased in the last 15 years, growing from strength to strength; when many other brands have sold out to foreign entities. Rasna was the original start-up and Make in India brand that used solely domestic raw material, due to which thousands of farmers, vendors and service providers gained a livelihood and thousands of youths got employment.

3. Shri Khambhatta was the Commandant of the Ahmedabad Home Guards for 20 years during communal riots and other times, and Chief Operation Officer of Civil Defence during the war. He was President of the Ahmedabad Parsee Panchayat for several years and Vice President of The Federation of the Parsi Zoroastrian Anjumans of India, as well as Founder Chairman of WAPIZ, the World Alliance of Parsi Irani Zarthostis. He was socially active in organizations like Junior Chambers, Lions International and was also President of Gujarat State Chess Association. Mr Areez Khambatta was deeply committed to the cause of modern-day entrepreneurs and discussed various aspects of entrepreneurship with the Entrepreneurship Development Institute of India, where he had frequently lectured and also addressed students at the Indian Institute of Management and other business schools.

4. Shri Khambatta founded two Trusts, doing yeoman services for the needy and underprivileged; especially in rural India, in the field of health & education, women's empowerment, social upliftment and old age homes. The philanthropic activities include supporting the disabled, free cataract surgery, donation of cancer treatment equipment and incubators, check-ups and consultations. During the Covid crisis, the Trusts conducted vaccination camps, donated oxygen cylinders, oscillators, concentrators, free food etc. to various hospitals; within and outside his home state of Gujarat.

5. Shri Khambatta was awarded the President's Home Guard and Civil Defence Medal; as well as the Paschimi Star, Samarseva and Sangram Medals. He was honoured with the National Citizen's Award for outstanding contribution in the field of Commerce by President. Shankar Dayal Sharma and was awarded a Samman Patra by the Finance Ministry for his contribution to the National Exchequer by being the highest tax payer of Gujarat.

6. Shri Khambatta passed away on 19th November, 2022.



श्री अरिज खंबाटा (मरणोपरांत)

श्री अरिज खंबाटा रसना समूह के संस्थापक अध्यक्ष थे, जिन्होंने दोहरे स्वाद में दुनिया का पहला ऐसा शीतल पेय बनाया, जो घर-घर लोकप्रिय हुआ। यह पेय देश में विपणन सफलता की एक महानतम गाथा बन गया।

2. 22 सितंबर, 1937 को जन्मे, श्री खंबाटा ने 1959 में गुजरात कॉलेज, अहमदाबाद से रसायन विज्ञान में स्नातक किया। उन्होंने 1978 में रसना नाम से अपने उद्यम की शुरुआत की। अलग-अलग भारतीय स्वाद के साथ बड़े प्रयोग करने से, यह तुरंत ही उपभोक्ताओं का पसंदीदा पेय बन गया। यह कंपनी औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्र में कार्य करते हुए, भारत की तपती गर्मी में भारी मांग को पूरा करती थी। बाद में, इसने कुछ बदलाव के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए नई किस्में लॉन्च की, जिनका बड़ी मात्रा में निर्यात किया गया। उन्होंने मिनिसोटा विश्वविद्यालय से फूड फ्लेवर क्रिएशन कोर्स भी किया और द इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजिस्ट्स, यूएसए के एक पेशेवर सदस्य और भारत के एक सर्वोत्तम स्वाद विशेषज्ञ बने। उनके विजन के कारण ही रसना एक भारतीय-स्वामित्व वाली कंपनी बनी रही। इस ब्रांड की केस स्टडीज की जाती हैं, इसका प्राइस बैंड पिछले 15 वर्षों में नहीं बढ़ा है। कई अन्य ब्रांड विदेशी कंपनियों ने खरीद लिए, परंतु रसना लगातार मजबूत होता गया। रसना मूल स्टार्ट-अप और मेक इन इंडिया ब्रांड था जिसमें पूरी तरह से घरेलू कच्चे माल का इस्तेमाल किया जाता था। इससे हजारों किसानों, विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को आजीविका मिली और हजारों युवाओं को रोजगार मिला।

3. श्री खंबाटा सांप्रदायिक दंगों के दौरान और अन्य समय में 20 वर्षों तक अहमदाबाद होम गार्ड्स के कमांडेंट और युद्ध के दौरान नागरिक सुरक्षा के मुख्य संचालन अधिकारी थे। वह कई वर्षों तक अहमदाबाद पारसी पंचायत के अध्यक्ष और फेडरेशन ऑफ पारसी जोरास्ट्रियन अंजुमन्स ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष रहे, साथ ही, वह डब्ल्यूएपीआईजेड, वर्ल्ड एलायंस ऑफ पारसी ईरानी जोरास्ट्रिक्स के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। वह जूनियर चेम्बर्स, लायंस इंटरनेशनल जैसे संगठनों में सामाजिक रूप से सक्रिय थे और गुजरात राज्य शतरंज संघ के अध्यक्ष भी थे। श्री अरिज खंबाटा आधुनिक समय के उद्यमियों के हित के लिए प्रतिबद्ध थे और वह अक्सर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान में व्याख्यान के दौरान उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा किया करते थे। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान और अन्य बिजनेस स्कूलों में भी छात्रों को संबोधित किया।

4. श्री खंबाटा ने दो ट्रस्टों की स्थापना की, जो विशेष रूप से ग्रामीण भारत में, स्वास्थ्य और शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, सामाजिक उत्थान और वृद्धाश्रम के क्षेत्र में जरूरतमंदों और वंचितों की निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं। उनके द्वारा की गई परोपकारी सेवाओं में विकलांगों की सहायता, मोतियाबिंद की मुफ्त सर्जरी, कैंसर उपचार उपकरण और इनक्यूबेटर का दान, जांच और परामर्श शामिल हैं। कोविड संकट के दौरान, उनके ट्रस्टों ने उनके गृह राज्य गुजरात के भीतर और बाहर टीकाकरण शिविर आयोजित किए, विभिन्न अस्पतालों में ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑसिलेटर, कंसंट्रेटर आदि दान में दिए और मुफ्त भोजन मुहैया करवाया।

5. श्री खंबाटा को राष्ट्रपति के होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक; साथ ही पश्चिमी स्टार, समरसेवा और संग्राम मेडल से भी सम्मानित किया गया था। राष्ट्रपति श्री शंकर दयाल शर्मा द्वारा वाणिज्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें राष्ट्रीय नागरिक पुरस्कार प्रदान किया गया और गुजरात के सर्वोच्च करदाता होने के नाते राष्ट्रीय खजाने में उनके योगदान के लिए वित्त मंत्रालय द्वारा सम्मानपत्र दिया गया।

6. 19 नवंबर, 2022 को श्री खंबाटा का देहावसान हो गया।